शोध संचयन
A Refereed Research Journal
And a complete Periodical dedicated to
Humanities & Social Science Research
ISSN 0975 1254 (PRINT)
ISSN 2249-9180 (ONLINE)
www.shodh.net
Vol. 10
Issue 2
15 July 2019

भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी रहित लेनदेन का विश्लेशण

बीज शब्द :

नकदी रहित लेनदेन, आर्थिक वृद्धि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था, मूल्य व मात्रा

8 नवम्बर, 2016 को 500 व 1000 रु के नोटों के विमुद्रीकरण से भारत में नकदी रहित अर्थव्यवस्था की शुरूआत की गई। इसके साथ-साथ नई तकनीक व सुविधाओं के द्वारा नकदी रहित अर्थव्यवस्था को बढावा देने के लिए सरकार के द्वारा विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। इस शोध पत्र में 8 नवम्बर 2016 से 28 फरवरी 2018 को एक वित्तीय वर्ष में आर.टी.जी.एस.., एन.ई.एफ.टी., पी.ओ.एस., सी.टी.एस., यू.पी.आई.., यू.एस.एस.डी., क्रेडिट व डेबिट कार्ड और मोबाइल बैंकिग द्वारा किए गए नकद रहित लेनदेन के मूल्य व मात्रा में हुए परिवर्तन का अययन किया गया है।

*****

आशा धानका
शोध छात्रा,
महर्शि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय,
डॉ रश्मि भार्गव
असिस्टेंट प्रोफेसर,
सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय,
अजमेर राजस्थान

भारतीय अर्थव्यवस्था में नकदी रहित लेनदेन का विश्लेशण

वर्तमान में विश्व के लगभग सभी देशों में अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। लेकिन यह कालाधन, भ्रष्टाचार, आतंकवाद व अवैध सम्पत्ति जैसे मुद्दों से पीड़ित है। अत: इन सभी से उभरने के लिए भारत में भी अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण के लिए नकद रहित अर्थव्यवस्था का प्रारम्भ 8 नवम्बर, 2016 को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा 500 व 1000 रु के नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा से की गई। भारत में नकद का संचालन जी.डी.पी के 12 प्रतिशत के लगभग है। अत: इतनी अधिक नकद संचालन को नकद रहित में करना एक चुनौती है। लेकिन वर्तमान में भारत सरकार नकद रहित लेनदेन को बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रयास कर रही है। जिससे अधिक से अधिक लोग नकद रहित लेनदेन किया करे अत: नकद रहित अर्थव्यवस्था के संचालन से नकदी रखने के जोखिमों में कमी और साथ ही भ्रष्टाचार में कमी आयेगी, विदेशी निवेश आर्कषित होगें व रोजगार व राष्ट्रीय आय में वृद्धि होगी।

शोध उद्देश्य:

इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत में 8 नवम्बर 2016 से 28 फरवरी 2018 तक एक वित्तीय वर्ष में नकद रहित लेनदेन के माध्यमों द्वारा किए गए नकद रहित लेनदेन का विश्लेषण करना है।

साहित्य की समीक्षा:

ओवट 2012 ने नाइजीरिया के सेन्ट्रल बैंक की नकदी रहित पॉलिसी का अध्ययन किया है। इसमें उन्होंने नकदी रहित अर्थव्यवस्था के उद्देश्य, इसके लाभ और चुनौतियों का अध्ययन किया है। मार्क जैंडी 2013 ने अपने लेख में 56 देशों का अध्ययन किया है। इसके अनुसार क्रेडिट व डेबिट कार्ड के प्रयोग दीर्घकाल में आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहित करते हैं। इन्होने अपने शोध में बताया है कि इलेक्ट्रॉनिक कार्ड पेमेंट से दक्षता में वृद्धि होती है, उपभोग बढ़ता है। इलेक्ट्रॉनिक कार्ड पेमेंट इसलिए आवश्यक है क्योंकि इसमें पारदर्शिता है, जबाबदेही है। यह नकदी से सम्बन्धित धोखाधड़ी में कमी लाता है। यह आर्थिक वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक है। मूडी विश्लेषण के अनुसार 56 देशों में 2008 से 2012 तक कार्ड भुगतान व जी.डी.पी में सहसम्बन्ध का अध्ययन किया गया। इनके अनुसार इलेक्ट्रानिक कार्ड भुगतान से 983 विलियन सकल यूएस डॉलर में वृद्धि हुई है। कार्ड से भुगतान में 56 देशों में औसत रूप से 0.7 प्रतिशत उपभोग में वृद्धि हुई है व सकल वैश्विक जी.डी.पी में औसत रूप से 1.8 प्रतिशत वृद्धि हुई है। होक हेन टी और हवे बून ओंग 2016 के अध्ययन के अनुसार यह स्वीकार किया जाता है कि एक प्रकार का नकदी रहित भुगतान दूसरे प्रकार के नकदी रहित भुगतान को अल्पकाल में प्रभावित करता है। यह देखा गया है कि नकदी रहित भुगतान आर्थिक वृद्धि पर दीर्घकाल में ही प्रभाव डालती है। हेन्स के अनुसार कोई भी योजना जोकि नकदी रहित भुगतान को बढ़ावा देती है यह अर्थव्यवस्था पर तत्कालीन प्रभाव नहीं डालती है। शरद मल्होत्रा 2018 ने अपने लेख में नकदी रहित अर्थव्यवस्था के लाभ व उपयोग का अध्ययन किया है। उनके अनुसार नकदी रहित अर्थव्यवस्था हमारे हर घंटे की जरूरत है। हमारी अर्थव्यवस्था के व्यवस्थित विकास के लिए नकदी रहित भुगतान न केवल महत्त्वपूर्ण है बल्कि यह हमारे देश के लिए आवश्यक भी है। इनके अनुसार नकदी रहित अर्थव्यवस्था के व्यवस्थित तरीके से कार्य करने के लिए कुछ पहल करनी चाहिए। इसके लिए लोगों को शिक्षित करना, आधारभूत ढाँचे को ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विकसित करना व नकदी रहित अर्थव्यवस्था के लाभों से लोगों को अवगत करना चाहिए।

रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट (आर.टी.जी.एस.)

आर.टी.जी.एस. जिसका फुल फार्म रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट है। इसे हिन्दी में तत्काल सकल निपटान प्रणाली भी कहा जाता है। आर.टी.जी.एस. का प्रयोग एक बैंक से दूसरे बैंक में मुद्रा के हस्तांतरण के लिए किया जाता है। इसका इस्तेमाल न्यूनतम 2 लाख तक की रकम भेजने के लिए किया जाता है। इसकी अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। आर.टी.जी.एस. के माध्यम से फंड का ट्रांसफर तत्काल समय में किया जाता है। आर.टी.जी.एस. का प्रयोग बैंकों के कार्य दिवस में सुबह के 7 बजे से शाम के 6 बजे तक किया जाता है आर.टी.जी.एस. बड़े लेनदेनों के लिए सरल व सुरक्षित है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को आर.टी.जी.एस. के द्वारा रु 78479.2 विलियन मूल्य के 7.9 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढ़कर फरवरी 2018 को रु 91765.6 विलियन

मूल्य के लेनदेन हो गये इस प्रकार एक वित्तीय वर्ष में आर.टी.जी.एस. के मूल्य व मात्रा दोनों में वृद्धि देखी गयी है।

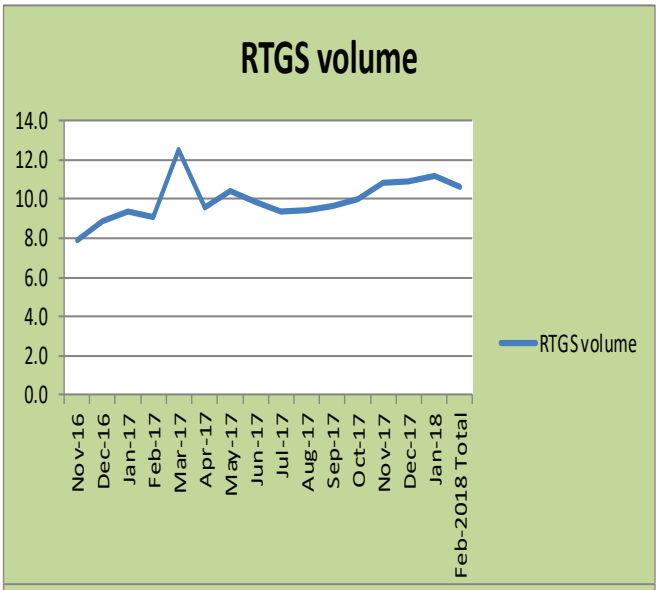

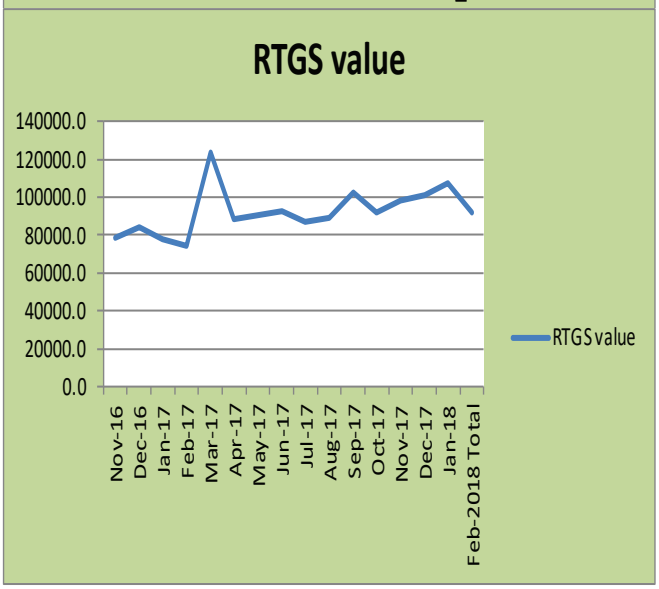

नेशनल इलेक्ट्रानिक फंड टांसफर (एन.ई.एफ.टी.)

एन.ई.एफ.टी. का फुल फॉर्म नेशनल इलैक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर है इसे हिन्दी में राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अन्तरण भी कहा जाता है। इसकी शुरूआत सन 2005 में की गयी थी। इससे पैसे को एक खाते से दूसरे खाते में आसानी से और सुरक्षित रूप में भेजा या प्राप्त किया जाता है। एन.ई.एफ.टी. के द्वारा 1रु से लेकर 2 लाख रु तक की रकम को अन्तरण किया जा सकता है इसके लिए प्रत्येक बैंक द्वारा ट्रांजेक्शन शुल्क अलग अलग लिया जाता है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को एन.ई.एफ.टी. के द्वारा रु 8807.8 विलियन मूल्य के रु 123.0 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को रु 14843.9 विलियन मूल्य के 165.6 मिलियन लेनदेन हो गये इस प्रकार एक वित्तिय वर्ष में एन.ई.एफ.टी. के मूल्य व मात्रा दोनों में वृद्धि देखी गयी है।

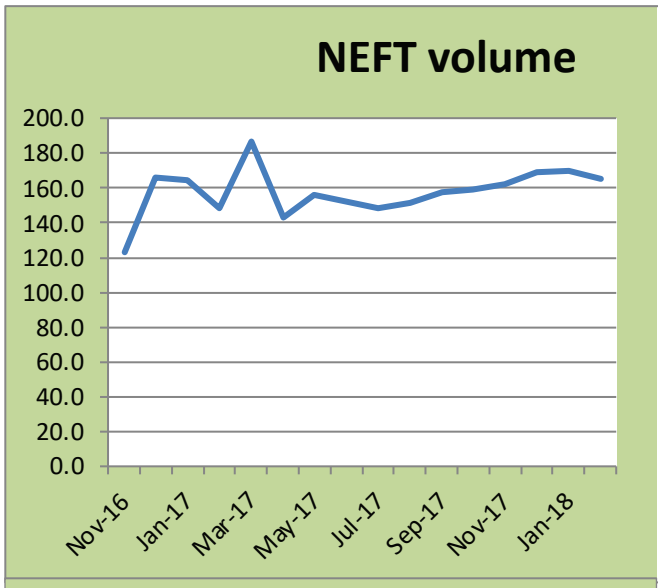

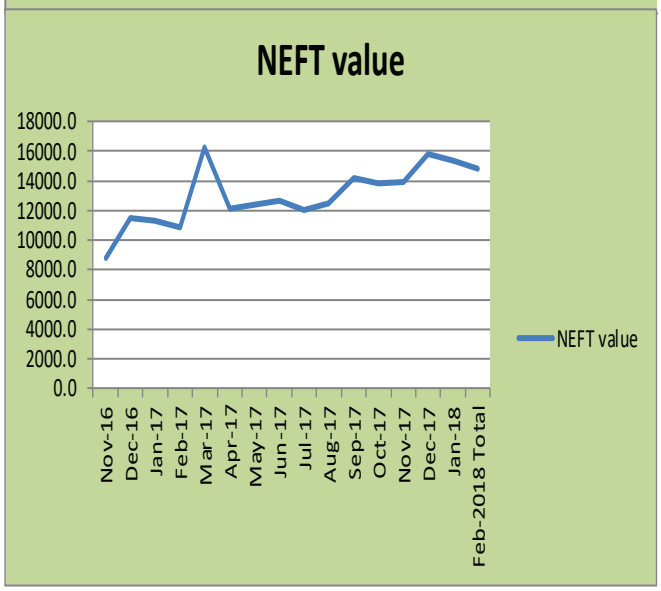

Electronic Payment Systems - Representative Data (Updated as on March 06, 2018)

Volume in million, Value in Rs. billion volume (in thousand) value (in Rs. thousand)

Data for the period	RTGS		NEFT		CTS*		IMPS*		NACH*		UPI*		USSD**		Debit and Credit Cards at POS &		PPI #		Mobile Banking		Total	
	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value	volume	value
Nov-16	7.9	78479.2	123.0	8807.8	87.1	5419.2	36.2	324.8	152.5	606.6	0.3	0.9	7.0	7302.6	205.5	352.4	59.0	13.2	72.3	1244.9	671.5	94004.2
Dec-16	8.8	84096.5	166.3	11537.6	130.0	6811.9	52.8	431.9	198.7	626.8	2.0	7.0	102.2	103718.4	311.0	522.2	87.8	21.3	70.2	1365.9	957.5	104055.3
Jan-17	9.3	77486.1	164.2	11355.1	118.5	6618.4	62.4	491.2	158.7	541.4	4.2	16.6	314.3	381760.2	265.5	481.2	87.3	21.0	64.9	1206.7	870.4	97011.4
Feb-17	9.1	74218.8	148.2	10877.9	100.4	5993.9	59.7	482.2	150.5	592.0	4.2	19.0	224.8	357055.2	212.3	391.5	78.4	18.7	56.2	1080.0	763.0	92594.5
Mar-17	12.5	123375.8	186.7	16294.5	119.2	8062.8	67.4	564.7	182.1	829.4	6.2	23.9	211.2	337962.4	229.7	416.2	90.0	21.5	60.8	1499.9	893.9	149589.1
Apr-17	9.5	88512.2	143.2	12156.2	95.3	6990.6	65.1	562.1	212.6	905.2	6.9	22.0	188.9	301650.5	231.1	431.4	89.2	22.3	61.0	1443.8	853.1	109602.2
May-17	10.4	90170.5	155.8	12410.8	97.1	6745.9	66.7	585.6	194.4	692.4	9.2	27.7	192.6	316723.7	233.4	450.8	91.3	25.3	64.9	1940.7	858.5	111109.3
Jun-17	9.8	92812.6	152.3	12694.2	91.9	6409.9	65.8	596.5	197.3	708.6	10.2	30.7	198.9	313277.0	232.4	468.2	84.7	24.1	77.1	1584.7	844.7	113745.2
Jul-17	9.4	87149.3	148.1	12011.6	92.2	6342.5	69.1	604.8	204.3	771.7	11.4	33.8	190.7	302097.8	237.6	439.3	88.7	25.1	69.5	1019.2	861.1	107378.4
Aug-17	9.5	89163.4	151.6	12500.4	92.1	6224.3	75.7	651.5	205.2	752.4	16.6	41.3	191.8	294239.4	243.0	457.1	89.7	27.2	70.8	1033.0	883.4	109817.9

Sep-17	9.6	102348.1	157.7	14182.1	92.2	6271.5	82.9	717.6	176.0	628.4	30.8	52.9	202.7	323578.5	240.3	478.2	87.5	27.6	86.3	1121.6	877.0	124706.8
Oct-17	10.0	92056.1	158.8	13851.3	94.4	6340.2	88.1	750.4	187.0	900.5	76.8	70.3	184.6	299071.8	255.7	530.5	96.2	32.7	130.9	1168.7	967.3	114532.2
Nov-17	10.8	98410.5	162.0	13884.0	96.3	6633.9	89.5	782.6	197.5	724.1	104.8	96.4	182.4	287309.6	244.6	483.3	92.8	32.0	122.8	848.4	998.5	121047.1
Dec-17	10.9	100907.8	169.0	15779.2	94.6	6564.0	98.0	871.1	183.0	714.0	145.5	131.4	179.9	299367.3	263.9	528.7	99.1	35.1	113.3	921.5	1064.2	125531.5
Jan-18	11.2	107488.4	170.2	15374.1	96.7	6792.6	99.6	882.1	208.1	727.7	151.7	155.4	172.8	290020.0	271.1	521.9	113.6	38.3	106.3	928.7	1122.3	131980.8
Feb-2018 Total	10.6	91765.6	165.6	14843.9	91.8	6453.6	99.2	882.7	199.1	850.9	171.2	191.0	156.1	270260.0	247.1	465.9	113.1	36.5	102.5	945.0	1098.0	115490.3

. **Note 1:** Data is provisional.
2. *: Source is NPCI.,
3. **:Figures Negligible, Source is NPCI
4. &: Card transactions of four banks.
5. #: PPI issued by 8 issuers for goods and services transactions only.
6. h: Holiday,
7. Mobile Banking figures are taken from 5 banks. The total volume & value of electronic payment systems does not include mobile banking.
8. NACH figures are for approved transactions only

RTGS – Real time gross settlement
NEFT – National electronic funds transfer
CTS – Cheque truncation system
IMPS – Immediate payment service
NACH – National automated clearing house
UPI - Unified Payments Interface
USSD - Unstructured Supplementary Service Data
POS – Point of sale
PPI – Prepaid payment instrument
Note 2: Complete monthly data for all Payment Systems is available at the RBI Bulletin - Table 43 -Payment System Indicators (https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_ViewBulletin.aspx?Id=k17302)
The monthly bankwise data for RTGS, NEFT and Mobile Banking is available at - https://www.rbi.org.in/Scripts/NEFTView.aspx
The monthly bankwise data for Credit and Debit Card Statistics is available at - https://www.rbi.org.in/Scripts/ATMView.aspx

चेक टांजेक्शन सिस्टम (सी.टी.एस)

सी.टी.एस का फुल फार्म चैक टांजेक्शन सर्विस है। यह सिस्टम आर.बी.आई द्वारा 2010 मे लाया गया था यह ऑनलाइन इमेज बेस्ड चैक क्लियरिंग सिस्टम पर आधारित है। यह आज के समय मे चैक क्लियर करने की सबसे तेज तकनीक है इससे एक बैंक से दूसरे बैंक मे चैक के फिजिकल ट्रांसफरशामिल नहीं है। सी.टी.एस जाँच के लिए चैक की इमेज का प्रयोग करता है। सी.टी.एस चैक आपको देश मे किसी भी जगह किसी भी बैंक मे क्लीयरिंग करने की सुविधा प्रदान करता है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को सी.टी.एस के द्वारा रू 5419.2 विलियन मूल्य के 87.1 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को 6453.6 विलियन मूल्य के 91.8 मिलियन लेनदेन हो गये इस प्रकार एक वित्तिय वर्श में सी.टी.एस के मूल्य व मात्रा दोनों में वृद्धि देखी गयी है।

तत्काल भुगतान सेवा (आई.एम.पी.एस)

आई.एम.पी.एस का फुल फार्म इमिडीएट पेमेंट सर्विस है। और इसे हिन्दी मे तत्कान भुगतान सेवा भी कहा जाता है। इस सेवा कीशुरूआत 2010 मे एक पायलेट प्राजेक्ट के तौर पर की गयी थी और बाद मे इसे 22 नवम्बर 2010 को फुल सर्विस के तौर पर लांच किया गया नेशनल पेमेंट कोंरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सबसे पहले आई.एम.पी.एसशुरूआत की थी इस सर्विस के द्वारा आप चौबीस घंटे कभी भी मोबाइल फोन इंटरनेट ए.टी.एम के जरिये किसी भी बैंक मे इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर कर सकते है सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को आई.एम.पी.एस के द्वारा रु 324.8 विलियन मूल्य के 36.2 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 की रु 882.7 विलियन मूल्य के 99.2 मिलियन लेनदेन किये गये इस प्रकार एक वित्तिय वर्श मे आई.एम.पी.एस के मूल्य व मात्रा दोनो में लगातार वृद्धि देखी गयी है।

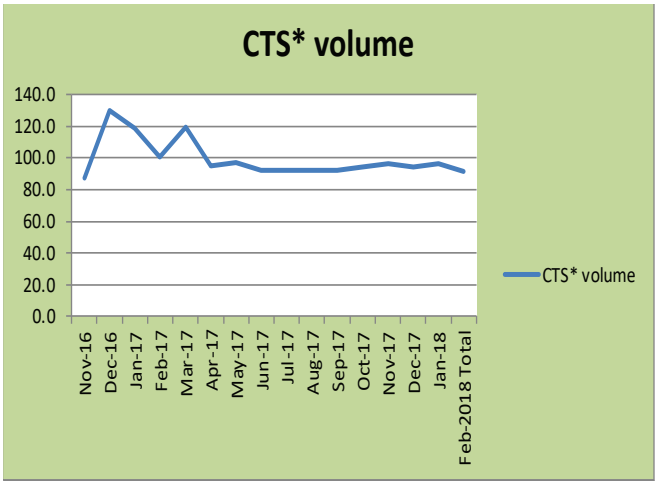

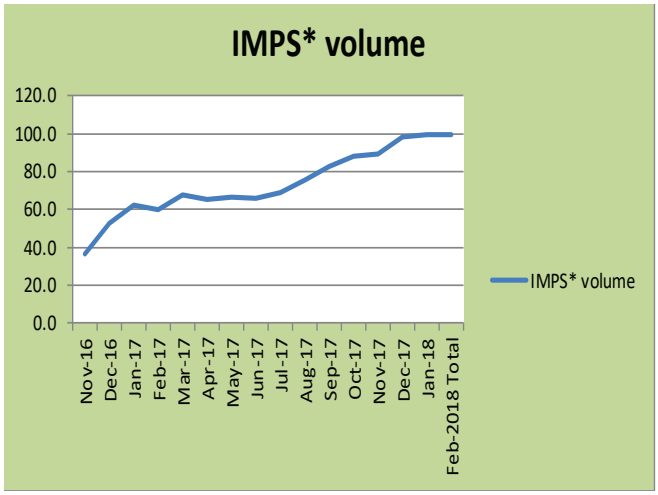

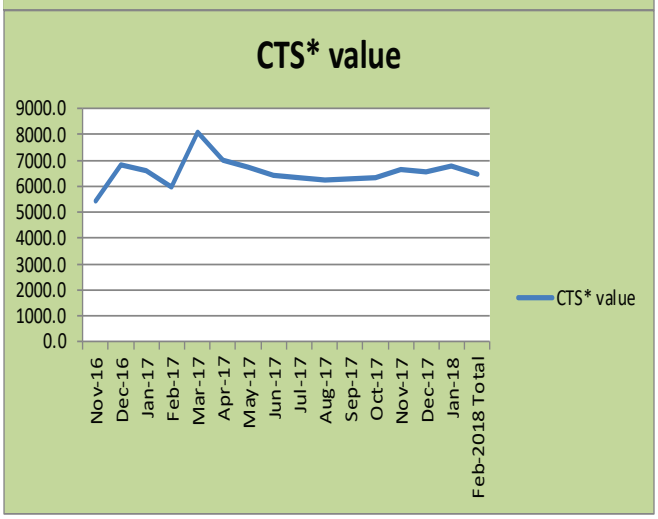

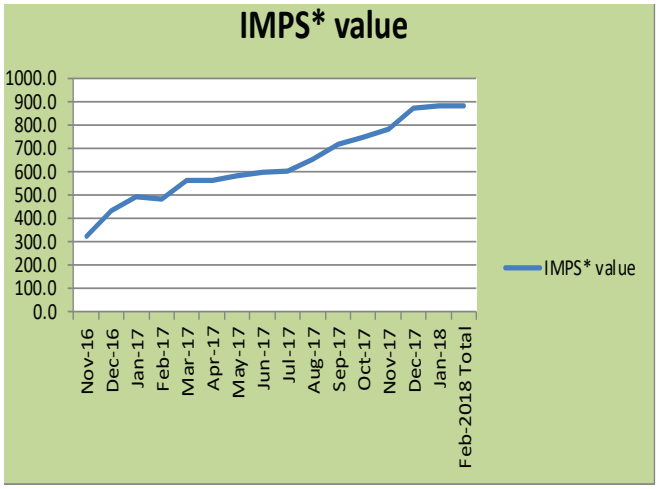

राष्ट्रीय स्वचालित क्लियरिंग हाउस (एन.पी.सी.एच.)

एन.पी.सी.एच. एक क्रेन्द्रीकरत प्रणाली है जिसका उदेश्य देश भर मे चल रहे इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सिस्टम ई.सी.एस को समेकित करना है नेशनल पेमेंट कोरपोरेशन ऑफ इडिया ने बैंको वित्तीय संस्थाओं, कारपोरेटस और सरकार के लिए राश्ट्रीय स्वचालित क्लियरिंग हाउस लागू किया है जो इंटरबैंक, उच्चमात्रा में इलेक्ट्रॉनिक लेनदेन की सुविधा के लिए एक बेब आधारित सामाधान है। यह बैंको के बीच होने वाले थोक और दोहराव वाले लेनदेन का दूर करता है। एन.पी.सी.एच. प्रणाली का उपयोग सब्सिडी लाभांश ब्याज वेतन पेंशन आदि के वितरण के लिए थोक लेनदेन करने और टेलीफोन, बिजली, पानी, म्यूचुअल फंड मे निवेश बीमा प्रीमियम आदि से सम्बधित. भुगतानो के संग्रह के लिए किया जाता है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को एन.ए.सी.एच के द्वारा रु 606 विलियन मूल्य के 152.5 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को रु 850.9 विलियन मूल्य के 199.1 मिलियन लेनदेन किये गये इस प्रकार एक वित्तीय वर्श मे एन.पी.सी.एच. के मूल्य व मात्रा दोनो मे वृद्धि देखी गयी है।

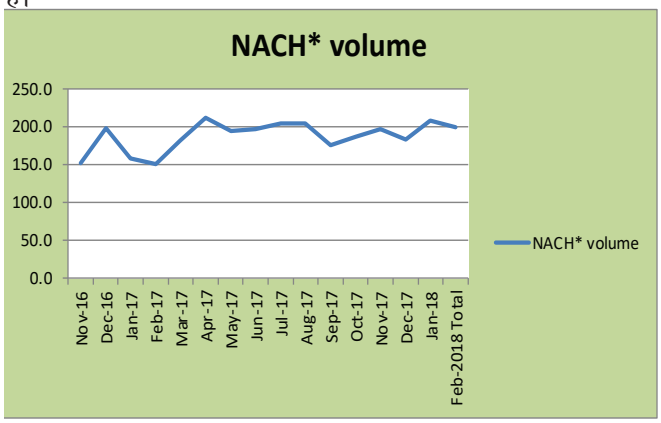

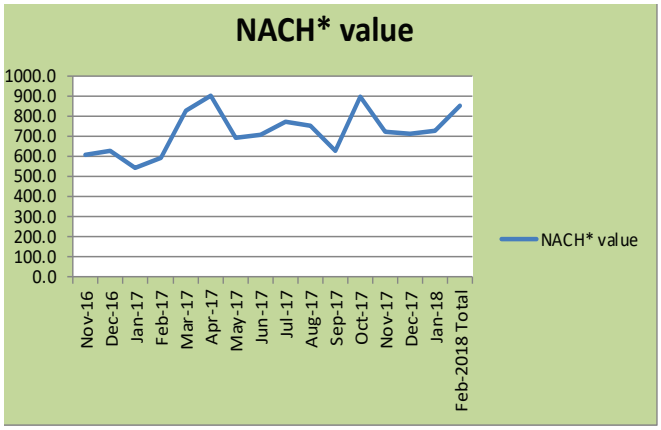

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यू.पी.आई.)

यू.पी.आई. का फुल फार्म यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस है। यह एक ऐसा सिस्टम है जो मोबाइल एप्लीकेशन की मदद से मुद्रा का एक खाते से दूसरे खाते मे अंतरण करता है। यू.पी.आई. का नियंत्रण रिजर्व बैंक और इंडियन एसोसिएशन के हाथ मे है। इसका

सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके द्वारा एक मोबाइल एप्लीकेशन से कई बैंक अकांउट से ट्रांजेक्शन किया जा सकता है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को यू.पी.आई. के द्वारा रु 0.9 विलियन मूल्य के 0.3 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को रु 191.0 विलियन मूल्य के 171.2 मिलियन लेनदेन हो गये इस प्रकार एक वित्तिय वर्श मे यू.पी.आई. के मूल्य व मात्रा दोनों मे लगातार वृद्धि देखी गयी है।

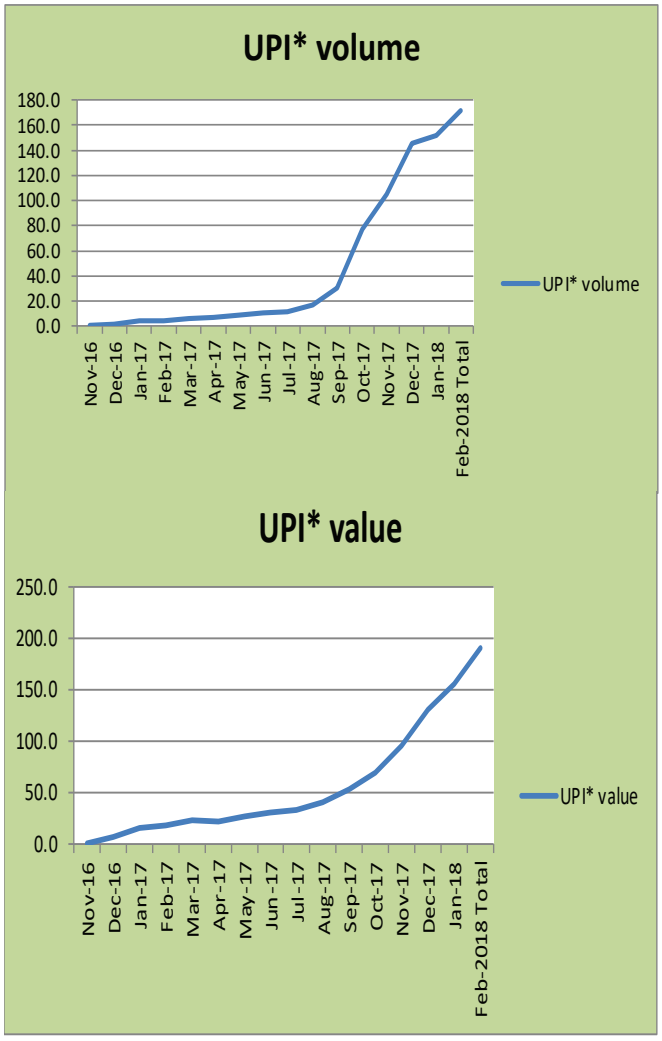

अनस्टक्चर सप्लीमेंटरी डाटा (यू.एस.एस.डी.)

यू.एस.एस.डी. की फुल फार्म अनस्टक्चर सप्लीमेंटरी डाटा जिसे हिन्दी मे असंरचनात्मक पूरक सेवा डाटा भी कहा जाता है। इसका इस्तेमाल साधारण फोन से स्मार्टफोन तक मे किया जाता है। यू.एस.एस.डी. का प्रयोग 99रु डायल करके फोन बैंकिग के लिये किया जाता है इससे आप फंड ट्रांसफर बैंक खाते की जानकारी बिल पेमेंट चेक केंसल चेकबुक रिक्वेस्ट और अकांउट स्टटेमेंट जैसी सुविधा प्राप्त कर सकते है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को यू.एस.एस.डी. के द्वारा रु 7302.6 हजार मूल्य के 7.0 हजार लेनदेन किये गये जो फरवरी 2018 को बढ़कर रु 270260.0 हजार मूल्य के 156.1 हजार लेनदेन किये गये इस प्रकार एक वित्तिय वर्ष मे यू.एस.एस.डी. के मूल्य व मात्रा में वृद्धि देखी गयी है।

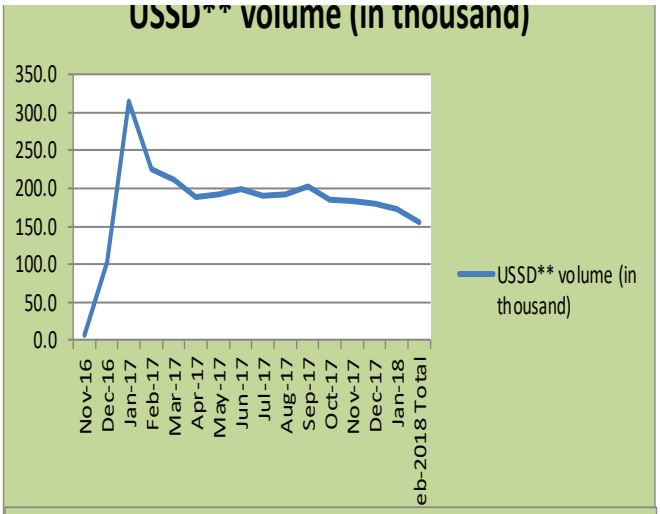

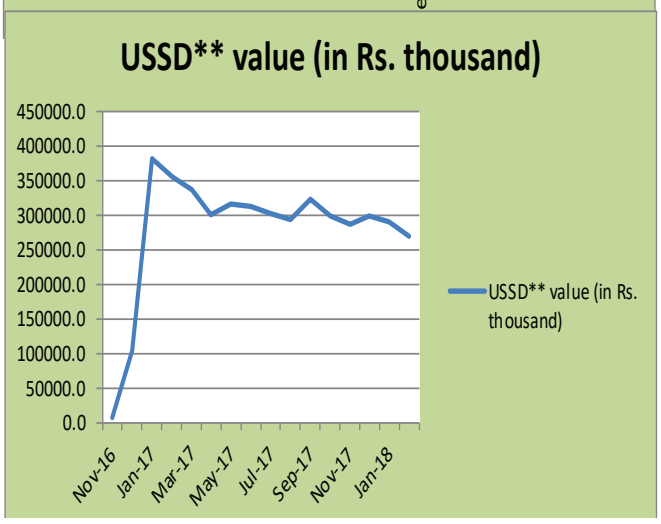

क्रेडिट व डेविट कार्ड ऐट पी.ओ.एस.

पी.ओ.एस का फुल फार्म पोइंट आफ सेल है। यह एक कम्प्यूटराइज्ड मशीन है इसका उपयोग कैश रजिस्टर के स्थान पर किया जाता है पी.ओ.एस मशीन डेबिट क्रेडिट कार्ड को पढना व खरीदी की पुष्टि करता है इससे हमे नकद की आवश्यकता नहीं होती है। इससे खरीदारी करते वक्त पैसा हमारे खाते से कट जाता है और सामान की रसीद प्राप्त होने के कारण काटे गए पैसों का ब्यौरा भी देता है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को पी.ओ. एस मशीन मे डेबिट व क्रेडिट कार्ड के द्वारा रु 352.4 विलियन मूल्य के 205.5 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढ़कर फरवरी 2018 को 465.9 विलियन मूल्य के 247.1 मिलियन लेनदेन हो गये इस प्रकार एक वित्तीय वर्श मे पी.ओ.एस के मूल्य व मात्रा दोनों मे वृद्धि देखी गयी है।

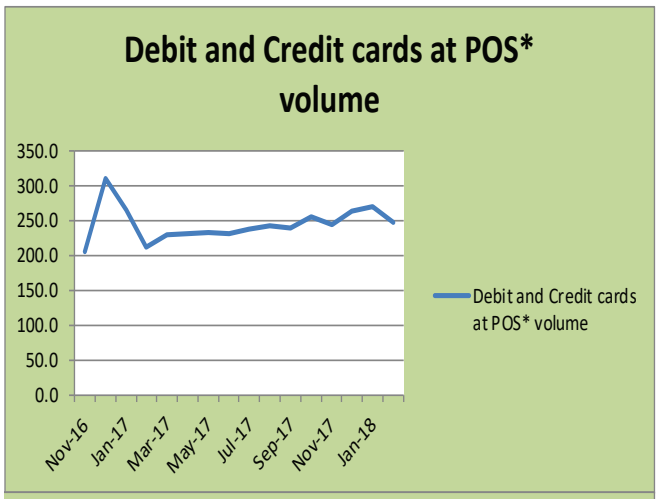

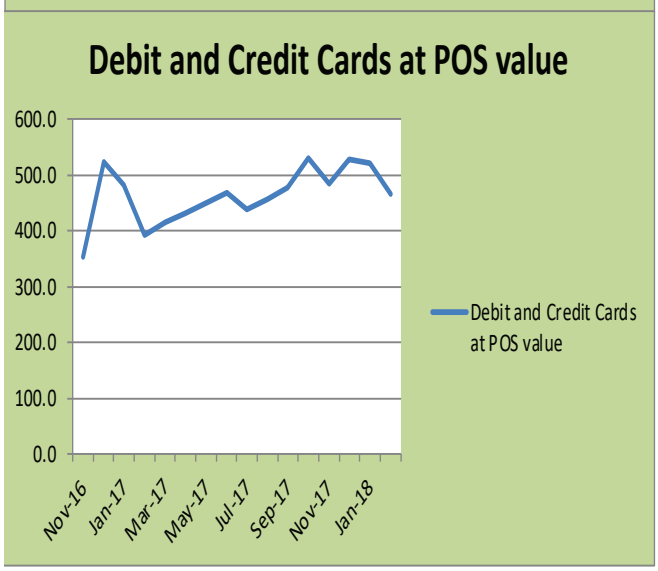

प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंटस (पी.पी.आई)

पी.पी.आई ऐसे उपकरण है जो सामान और सेवाओं की खरीद की सुविधा प्रदान करते है। जिसमे वित्तीय सेवाएं प्रेषण सुविधाएँ आदि शामिल है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को पी.पी.आई द्वारा रु 13.2 विलियन मूल्य के 59.0 मिलियन लेनदेन किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को रु 36.5 विलियन मूल्य के 113.1 मिलियन लेनदेन किये गये। इस प्रकार एक वित्तीय वर्ष मे पी.पी.आई के मूल्य व मात्रा दोनों मे लगातार वृद्धि देखी गयी है।

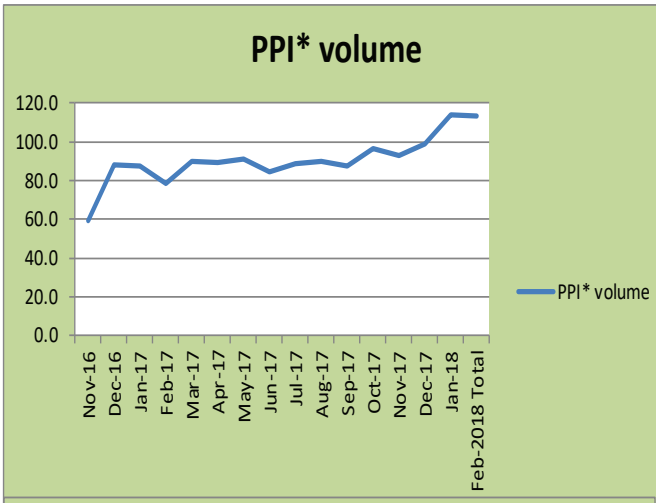

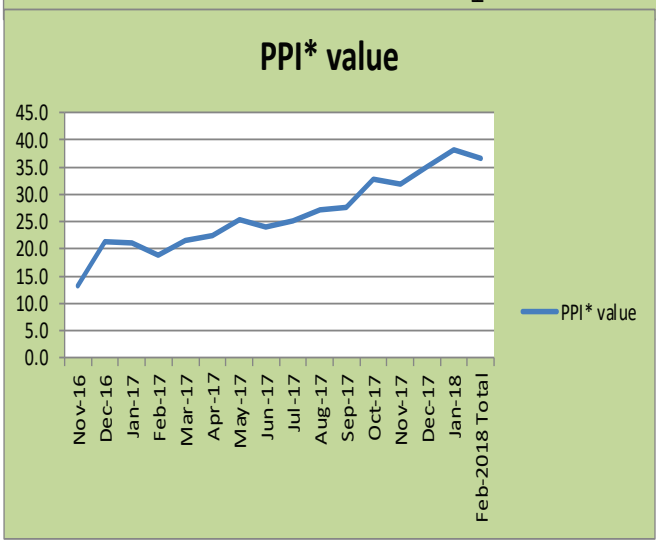

मोबाइल बैंकिग

मोबाइल बैकिग का प्रारम्भ भारत मे 2002 से हुआ था। मोबाइल बैंकिग नाम की ही तरह फोन पर की जाती है इसका प्रयोग साधारण व स्मार्टफोन दोनों मे किया जा सकता है। इस समय देश के लगभग हर बैंक का अपना मोबाइल एप है इसके द्वारा लोग बिल पेंमेंट फंड टांसफर निवेश या खरीदारी कर सकते है। सारणी 1 के अनुसार नवम्बर 2016 को मोबाइल बैंकिग के द्वारा रु 1244.9 विलियन मूल्य के 72.3 मिलियन लेनदेन किये गये जो फरवरी 2018 को रु 945.0 विलियन मूल्य के 102.5 मिलियन लेनदेन किये गये इस प्रकार एक वित्तीय वर्श मे मोबाइल बैकिंग का मूल्य घटा है व मात्रा बढी है।

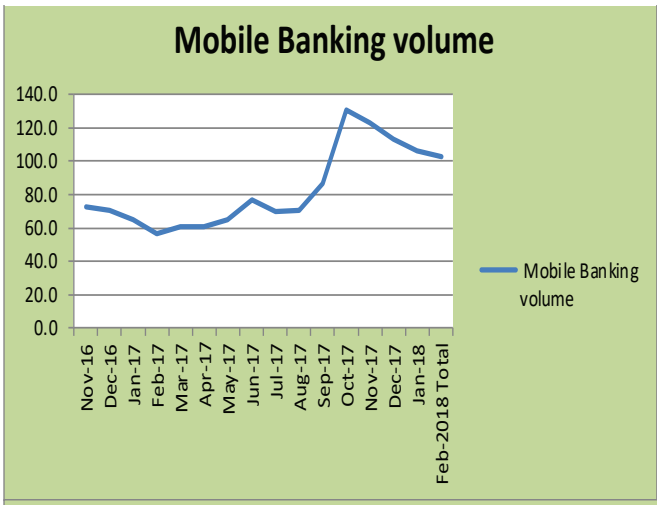

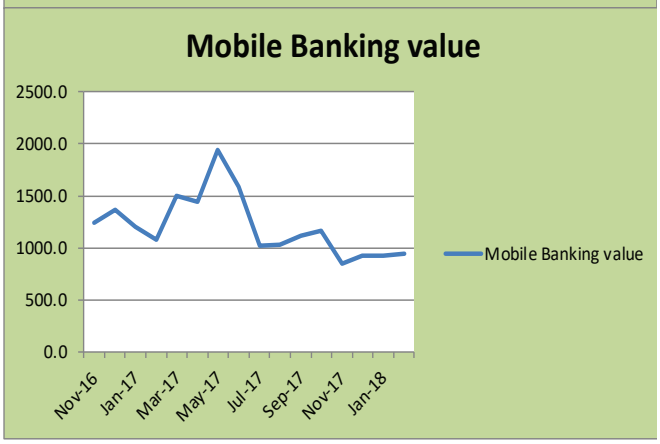

कुल इलेक्टानिक पेमेंट सिस्टम

नवम्बर 2016 को रु 94004.2 विलियन मूल्य के 671.5 मिलियन कुल इलेक्टानिक पेमेंट किये गये जो बढकर फरवरी 2018 को रु 115490.0 विलियन मूल्य के 1098.0 मिलियन के हो गये इस प्रकार एक वित्तीय वर्श मे कुल इलेक्टानिक पेमेंट के

मूल्य व मात्रा दोनों में वृद्धि देखी गयी है।

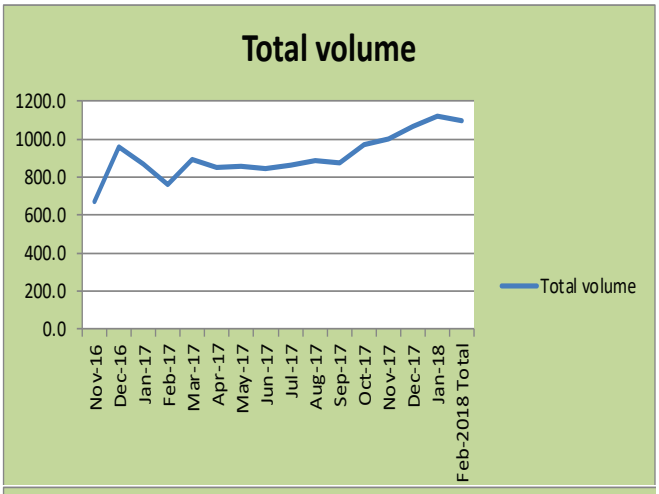

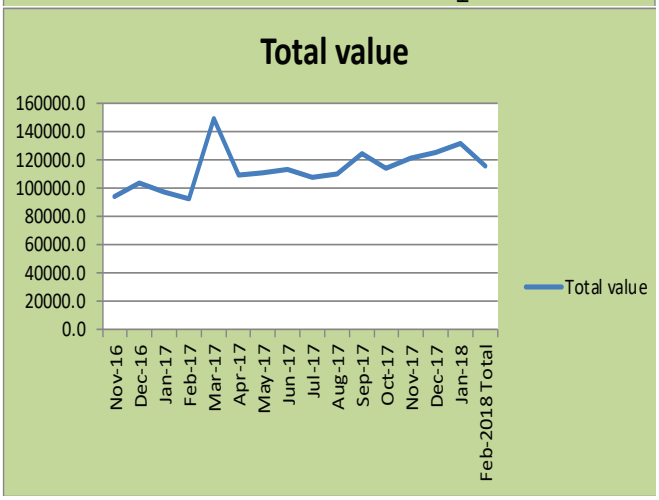

निष्कर्ष

भारत सरकार भारतीय अर्थव्यवस्था कि स्थिरता व पारदर्शिता के लिए कई कदम उठा रही है जिस में डिजिटल लेनदेन एक महत्त्वपूर्ण कदम है। 8 नवम्बर 2016 को 500 व 1000रु के नोटों के विमुद्रीकरण के साथ-साथ नकद रहित लेनदेन को बढावा देने के लिए विभिन्न प्रयास किये जा रहे है जिससे लोगों में नकद रहित लेनदेन के प्रति जागरूकता बढी है और लोग अधिक से अधिक नकद रहित लेनदेन करने लगे है। इस शोध पत्र के माध्यम से यह बताया गया है कि नवम्बर 2016 से फरवरी 2018 तक इलेक्टानिक माध्यमों आर.टी.जी.एस., एन.ई.एफ.टी., यू.एस.एस.डी, सी.टी.एस, आई.एम.पी.एस, यू.पी.आई., एन.ए.सी.एच, पी.पी.आई, पीओएस मोबाइल बैंकिग आदि द्वारा किये गये नकद रहित लेनदेन के मूल्य व मात्रा दोनों में वृद्धि देखी गयी है जिससे यह पता चलता है कि लोग नकद रहित लेनदेन की सरलता व सुलभता के कारण इस की ओर बढ रहे है। परन्तु अभी भी भारत को नकद रहित अर्थव्यवस्था के लिए लोगो को शिक्षित करना, आधारभूत ढाँचे को ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में विकसित करना व नकदी रहित अर्थव्यवस्था के लाभो से लोगों को अवगत करना चाहिए। जिससे भारत का नकद रहित अर्थव्यवस्था बनाने का सपना साकार हो सके।

सन्दर्भ

1. Ovat,O.(2012) The Central Bank Of Nigeria's Cashless Policy in Nigeria Banifits and challenge. Journal of Economic and Statainable Development,3(14)
2. Sharad Malhotra(2018) Impact of Cashless Society for TheEconomic Growth In India, http://www.gjimt.ac.in
3. Zandi M,V. Sing and J Lrving(2013)Impact of Inequality on Economic Growth on Economic
4. Growth,https://usa.visa.com/dam/vocom/download/corporate/media/moodys-economy-white-paper-feb-2013.pdf
5. Http://m.rbi.org.in/scripts/faqview.aspx?Id 126

◆◆◆